newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २३ | अंक - १३ | १५ से २१ अप्रैल २०२४ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

महिलाएं और राजनेता

लोकतंत्र में राजनेता अपने प्रतिद्वंद्वी पर तीखी टिप्पणियां कर सकते हैं, मगर इसका यह अर्थ नहीं कि लोकतंत्र की मर्यादा को ताक पर रख दिया जाए। संसद में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने संबंधी नारी शक्ति वंदन अधिनियम पिछले मानसून सत्र में पारित हो गया। हालांकि यह कानूनी प्रावधान अगले लोकसभा चुनाव से प्रभावी होगा, पर लंबे समय से रुकी पड़ी इस मांग के पूरा हो जाने से इसलिए महिलाओं में उत्साह है कि राजनीति में उनकी उपस्थिति बढ़ेगी और वे व्यवस्था संबंधी महत्त्वपूर्ण निर्णयों में सहभागिता कर सकेंगी। मगर महिलाओं को लेकर खुद राजनेताओं में जैसा संकुचित दृष्ठिकोण देखा जाता है, उससे संदेह होता है कि उन्हें वास्तव में कितनी शक्ति और कितना सम्मान मिल पाएगा। चुनावी गहमागहमी में राजनेता अक्सर प्रतिद्वंद्वी नेताओं पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने से भी परहेज नहीं करते। वे भूल जाते हैं कि किसी महिला के बारे में अशोभन टिप्पणी करने से बचना चाहिए। ममता बनर्जी, हेमा मालिनी और कंगना रनौत पर की गई टिप्पणियां इसका ताजा उदाहरण हैं। इसके पहले भी कई चुनाव अभियानों के दौरान विभिन्न पार्टियों के जिम्मेदार माने जाने वाले नेताओं की तरफ से प्रतिद्वंद्वी पार्टी की महिला उम्मीदवारों और नेताओं पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों और लहजों को याद किया जा सकता है। चुनाव के अलावा, सामान्य अवसरों पर भी, महिला नेताओं के खिलाफ कई बार अशोभन वक्तव्य सुने गए हैं। लोकतंत्र में राजनेता अपने प्रतिद्वंद्वी पर तीखी टिप्पणियां कर सकते हैं, मगर इसका यह अर्थ नहीं कि लोकतंत्र की मर्यादा को ताक पर रख दिया जाए। राजनीति में सार्वजनिक वक्तव्यों का महत्त्व होता है। अगर कोई बड़ा नेता अपने किसी प्रतिद्वंद्वी के बारे में टिप्पणी करता है, तो निचली कतार के नेता उसे आगे बढ़ाते हैं। इसलिए उनसे न केवल शब्दों के चुनाव, बल्कि लहजे पर लगाम की भी अपेक्षा की जाती है। राजनीति में भाषा एक बड़ा औजार होता है। अगर उसे ठीक से बरतना न आए, तो कई बार खुद को भी जख्मी कर लेने का खतरा रहता है। किसी महिला के प्रति अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल तो यह भी जाहिर करता है कि टिप्पणी करने वाले का महिला समाज के प्रति दृष्ठिकोण क्या है। संसद में महिला आरक्षण को लेकर चली बहसों के समय की कुछ टिप्पणियों की गूंज आज तक इसीलिए बनी हुई है कि उनसे पूरे महिला समाज के सम्मान पर प्रश्नचिह्न लगा था। राजनीतिक दलों की अगली कतार में सामान्य महिलाओं की उपस्थिति वैसे भी न के बराबर है। ऐसे में महिलाओं के प्रति दुराग्रहपूर्ण टिप्पणियां इस विडंबना को और गहरा करती हैं। यह भी चिंता का विषय है कि आखिर राजनीति में भाषा की मर्यादा इतनी धुंधली क्यों होती जा रही है कि राजनेता संसद और विधानसभाओं से लेकर सार्वजनिक मंचों तक पर बेलगाम कुछ भी बोलने में संकोच नहीं करते। महिलाओं के प्रति हमारे पुरुष प्रधान समाज का नजरिया किसी से छिपा नहीं है। मगर जिन पर समाज और व्यवस्था की विसंगतियां दूर करने की जिम्मेदारी है, अगर वे भी उसी संकीर्ण मानसिकता से ग्रस्त हों, तो महिला शक्ति और उसके सम्मान की आकांक्षा भला कहां तक पूरी हो पाएगी।

महायुति गठबंदन में टिकीट दावेदारों की बैचेनी

मुंबई. महाराष्ट्र के सत्ताधारी महायुति गठबंधन में अभी तक ७ सीटों पर अभी भी कोई फॉर्मूला तय नहीं हो सका है. उससे टिकट दावेदारों की बेचैनी बढती जा रही है. खासकर शिवसेना ने जिस तरह से तीन मौजूदा सांसदों के टिकट काटे हैं, उससे हताशा और बढ.गई है. एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा बेचैनी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में नजर आ रही है. क्योंकि, जिन ७ सीटों पर भाजपा, शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी में डील पक्की नहीं हो पाई है, उनमें ६ सीटों पर पिछली बार संयुक्त शिवसेना ही जीती थी. सूत्रों के मुताबिक शिवसेना के कुछ टिकट दावेदारों ने अनिश्चितता के बावजूद अपना चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है. दरअसल, शिवसेना ने यवतमाल वाशिम से भावना गवली, हिंगोली से हेमंत पाटिल और रामटेक से कृपाल तुमाने जैसे मौजूदा सांसदों का टिकट काट दिया है. इसी तरह से पार्टी सूत्रों का कहना है कि मुंबई नॉर्थ-वेस्ट से पार्टी सांसद गजानन कीर्तिकर को भी टिकट मिलने की संभावना कम है. महायुति गठबंधन में जिन सात सीटों पर अभी तक सीट-शेयरिंग का फॉर्मूला तय नहीं हो पाया है, उनमें रत्नागिरी- सिंधुदुर्ग, मुंबई साउथ, औरंगाबाद, नाशिक, पालघर, ठाणे और सातारा शामिल हैं. इनमें से ६ सीटें २०१९ में संयुक्त शिवसेना ने जीती थी, लेकिन पार्टी सूत्रों के अनुसार अब इनमें से मुख्य रूप से बीजेपी बडी दावेदारी जता रही है. मुंबई नॉर्थ-सेंट्रल सीट भी फॉर्मूले के तहत भाजपा को दी गई है, लेकिन अभी वहां उम्मीदवार की घोषणा नहीं हुई है. दूसरी तरफ विपक्षी महा विकास अघाडी (कांग्रेस, शिवसेना- यूबीटी. एनसीपी-शरदचंद्र पवार) ने डील तय कर ली है लेकिन, इसने भी मुंबई नॉर्थ, मुंबई नॉर्थ-सेंट्रल (दोनों कांग्रेस) में नाम तय नहीं किए हैं. शिवसेना के विनायक राउत जीते थे, जो इस बार उद्धव गुट से उम्मीदवार हैं. भाजपा चाहती है कि यह सीट उसे मिले जहां पर वह उद्धव के कटु आलोचक केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को उतार सके. दूसरी तरफ शिवसेना एमएलए और राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत के बडे भाई किरन सामंत भी इस सीट पर दावेदार हैं और उन्होंने भी शुरू कर दी हैं. इसी तरह चुनावों के हिसाब से तैयारियां से मुंबई साउथ को लेकर भी भाजपा-शिवेसना में सुलह का रास्ता नहीं निकल पा रहा है. दक्षिण मुंबई की इस प्रतिष्ठित सीट पर विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने एक महीने पहले से ही अभियान शुरू कर दिया था. इसपर एक और दावेदार शिवसेना के नए-नवेले राज्यसभा सांसद मिलिंद देवडा भी हैं, जिनकी दावेदारी यहां से पहले सांसद होने की वजह से है. मराठवाडा की औरंगाबाद सीट पर भी दोनों पार्टी दावा कर रही है तो पालघर में भी यही हाल है. सतारा सीट पर भाजपा और एनसीपी की दावेदारी जारी है. भाजपा की ओर से शिवाजी महाराज के वंशज और राज्यसभा सांसद उदयनराजे भोसले ने पहले से प्रचार अभियान भी चला रखा है.

भाजपा युवा मोर्चा मीरा भाईंदर शहर जिल्हा प्रभारी पद पर नियुक्ति होने पर श्री निलेश भाई सोनी जी को हार्दिक शुभकामनाएं

कसाई और मालिक गिरफ्तार गोवंश हत्याकांड को लेकर

भाईंदर : जिस तबेले में गाय को रखकर उसके दुग्ध का व्यवसाय करता था, उसी तबेले के पीछे सुनसान जंगल में ले जाकर नराधम ने स्वार्थवश कसाई के हाथों उनकी निर्ममता से हत्या करवा दी। यह सनसनीखेज घटना १० अप्रैल को काशीमिरा के गगनगिरी इलाके में घटित हुई, त्वरित कार्यवाई करते हुए गोवंश के कथित हत्यारों को काशी गांव पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाल दिया है। साथ ही पुलिस ने हत्यारों की निशानदेही पर घटना स्थल से पुख्ता सबूतों के साथ मांस के टुकडे व रक्त के नमूनों को बरामद कर सरकारी लैब में जाँच के लिए भेज दिया है ताकि यह पता चल सके की मांस गाय या फिर बैल का है।यह घटना पशुपालकों की भयावह स्थिति को दर्शाती है और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सुरक्षा उपायों की आवश्यकता को जताती है। मासूम जानवरों पर की गई क्रूरता समाज में पशु कल्याण के एक बडे. मुद्दे को दर्शाती है। ऐसे हिंसात्मक कृत्य न केवल जानवरों को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि उनके मालिकों के आजीविका को भी व्याप्त करते हैं। प्राधिकरणों को भविष्य में ऐसी घिनौनी अपराधों को रोकने के लिए मौजूदा कानूनों को प्रभावी रूप से प्रभावी बनाने की जरूरत है। घटना समाज को एकजुट होने और पशुओं के खिलाफ कठोर दंड के पक्षधर होने के लिए एक जागरूक कॉल के रूप में काम करती है। यह भी प्रश्न उठाती है कि कृषि अभ्यासों में पशुओं के नैतिक व्यवहार और पशुओं के लिए कठोर नियमों की आवश्यकता है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में जनसमुदाय का आक्रोश बढ. सकता है, जो जानवरों को हानि से बचाने के लिए अधिक जागरूकता और कार्रवाई की ओर प्रेरित कर सकता है। समाज को सभी जीवों के प्रति दयालुता और सम्मान की एक संस्कृति की ओर प्रयास करना चाहिए। ज्ञात हो की वरिष्ट पुलिस निरीक्षक राहुल पाटिल को सूत्रों द्वारा यह जानकारी मिली की मीनाक्षी नगर स्थित निजी तबेले के दो गोवंशों को गगनगिरी के जंगल में ले जाकर बर्बरता से हत्या कर काट दिया गया है, पुलिस ने फौरन घटनास्थल पर पहुंच कर तबेला मालिक शमूर अहमद के साथ दो कसाईओं नईम और मोहसिन कुरैशी को गिरफ्तार कर, महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम ५ (सी), ९ (अ,ब), पशु क्रूरता निवारण अधिनियम १९६०-३,११ एवं भा दं.वि. कलम ४२९,३४ के तहत मामला दर्ज कर लिया और पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

हिंदु समाज पार्टी ने श्री भंवरलाल खेतमल मेहता जी को २५ ठाणे लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवार निश्चित किया है.

घुसपैठियों को तरजीह दी जा रही है और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार किया जा रहा है - बृजेश तिवारी

भायंदर। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वा शर्मा जब कांग्रेस छोडक़र बीजेपी में शामिल हुए थे, तब कांग्रेस को उनकी ताकत का अंदाजा नहीं था। उन्होंने उन्हें बहुत हल्के में लिया था। आज हेमंत विश्वा शर्मा मुख्यमंत्री ही नहीं बल्कि पार्टी के फायर ब्रांड नेता भी हैं । मीरा भायंदर भाजपा में भी आजकल कुछ ऐसा ही चल रहा है। पार्टी संगठन में ऐसे लोगों को दरकिनार किया जा रहा है, जो पार्टी के लिए पूरी तरह से समर्पित रहे तथा पार्टी की आवाज बुलंद की। पहले से ही यहां दो गुटों में विभक्त भाजपा के बडे.नेता सिर्फ अपने-अपने लोगों को ही संभालने में लगे हैं। उन्हें ना तो पार्टी के हितों की चिंता है और ना ही संगठन की मजबूती का। अपनी अपनी डफली अपना अपना राग अलापने वाले इन नेताओं की उपेक्षा का शिकार बने कट्टर बीजेपी पदाधिकारी भी दूसरी पार्टियों का दामन पकड.रहे हैं। कल भाजपा के पूर्व जिला प्रवक्ता एवं बुद्धिजीवी प्रकोष्ट के जिला संयोजक बृजेश तिवारी ने शिवसेना यूबीटी के मुखिया उद्धव ठाकरे के हाथों शिव बंधन में बंधने के बाद अपनी ही नहीं, अपितु समूचे मीरा-भायंदर के निष्ठावान

कार्यकर्ताओं की व्यथा सुनाई। बृजेश तिवारी ने कहा कि २००९ के विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा निष्ठावान कार्यकर्ताओं की थी। गोपीनाथ मुंडे जी की एंट्री के बाद परिदृश्य बदला और पार्टी कारपोरेट हो गई। तमाम झंझावतों के बीच एड रवि व्यास को कमान सौंपने के बाद स्थानीय कार्यकर्ताओं में उम्मीद जगी, पर राजनीतिक कारोबारियों ने अंतत: उन्हें हटाकर फिर से जिला संगठन पर कब्जे के बाद एक बार फिर से पार्टी में घुसपैठियों को तरजीह दी जा रही है और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को हाशिए पर रखा गया है। बृजेश तिवारी ने कहा कि मनसे ने जो जुल्म उत्तर भारतीय समाज पर किए हैं, वह अभी भी तरोताजा हैं, और इसे हम ताउम्र भूलने वाले नहीं। महज लोकसभा चुनाव जीतने के लिए ऐसे समाज कंटको को अपने पाले में मिलाने वाली भाजपा के मंसूबों को उत्तर भारतीय समाज कभी भी सफल नहीं होने देगा। गौरतलब है कि मनसे प्रमुख राज ठाकरे के भाजपा को समर्थन दिए जाने के बाद भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ताओं में तीव्र आक्रोश व्याप्त है, और अब पार्टी में भगदड.का माहौल है। मीरा-भायंदर में भी भाजपा के फायरब्रांड नेता बृजेश तिवारी के पार्टी के सभी पदों और सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद बडी तादाद में उत्तर भारतीयों के भी भाजपा छोडऩे की होड.लग गई है। शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने बृजेश तिवारी और उनके समर्थकों को पार्टी में पूरा सम्मान देने का आश्वासन दिया है। बता दें कि बृजेश तिवारी को शिवसेना यूबीटी में शामिल करने में मीरा-भायंदर जिला सचिव राजेश सिंह सोमवंशी की अहम भूमिका रही है। इस अवसर पर शिवसेना यूबीटी के नेता और ठाणे लोकसभा सीट से महाविकास आघाडी के उम्मीदवार राजन विचारे, विधानसभा में विरोधी पक्ष नेता अंबादास दानवे, मीरा-भायंदर संपर्क प्रमुख विनोद घोसालकर, जिला प्रमुख प्रभाकर म्हात्रे, उप जिला प्रमुख लक्ष्मण जंगम, सचिव राजेश सिंह सोमवंशी समेत तमाम शिवसैनिक उपस्थित थे।

२३ सालों से लगातार प्रकाशित

साप्ताहिक जन कल्याण सेवा

(हिंदी समाचार)

वार्षिक सत्कार समारोह

मुख्य अतिथी

श्री. मा. रामदास आठवले

(समाज कल्याण केंद्रीय मंत्री)

प्रमुख अतिथी

मा. श्रीमती गीता जैन- विधायक, मिरा-भाईंदर
मा. श्री. किशोर शर्मा - भाजपा जिला अध्यक्ष, मिरा - भाईंदर
मा. श्री. राजन विचारे (मा. सांसद)
मा. श्री. प्रताप सरनाईक - शिवसेना विधायक
मा. श्री. नरेंद्र महेता - भाजपा माजी विधायक
मा. श्री. मुझफ्फर हुसेन - माजी विधायक कॉंग्रेस
मा. श्री. निलेश सोनी - कार्य सम्राट भाजपा
मा. श्री.संजय काटकर, आयुक्त, मिरा - भाईंदर नगर पालिका
मा. श्री. रविन्द्र पाठक - एमएलसी शिंदे गुट शिवसेना, ठाणे
मा. श्री. अर्जुन वाघमारे - समाजसेवक
मा. श्री. देवेन्द्र शेलेकर - आर.पी.आई.ए. जिला अध्यक्ष मिरा - भाईंदर
मा. श्री. लल्लन तिवारी - शिक्षा सम्राट
मा. श्री. अभिजीत राणे - कामगार नेता, मुंबई

इस अवसर पर मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती और गणमान्य व्यक्तियों के भोजन की व्यवस्था

कार्यक्रम स्थल

मिरा ग्राऊन्ड हॉल, कॅसेडेला के पीछे, पुनम सागर, सृष्टी ब्रीज के पास, शांती नगर, मिरा रोड (पुर्व), जि. थाना - ४०१ १०७.

कार्यक्रम

शनिवार, दि. २७ अप्रैल २०२४ समय - शाम ५ से १० बजे तक

आप सभी से नम्र विनंती है कि आप अपने पंसदीदा अखबार के वार्षिक सत्कार समारोह में ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होकर इस दिन को यादगार बनायें और आपके अपने अखबार के बढते कदमों को उत्साहित करें।

सुत्र संचालक : डॉ. कमलेश गगलानी

विनीत

संध्या रांझणे / अनिल सिंह / बालकृष्ण रणधिवे

संपादक

सीमा गुप्ता - मो.: 9757262120

राज्य के १,६०० गांव और तीन हजार बस्तियों में जल संकट! एक साल में टैंकरों की संख्या २८ गुना बढ़ी

मुंबई : राज्य में एक तरफ लू चलने की चेतावनी है तो वहीं दूसरी तरफ डैम में पानी का भंडार तेजी से घटने से राज्य के गांव और बस्तियों के साढ़े पांच हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। आलम यह है कि टैंकर के पानी से लोगों को अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है। जानकारी के मुताबिक, इस समय बस्तियों में करीब तीन हजार टैंकर चल रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में टैंकरों की संख्या लगभग २८ गुना बढ़ गई है। लेकिन चुनावी राजनीति में व्यस्त सत्ताधारी दल को इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान देने की फुर्सत ही नहीं है, इसका असर लोकसभा चुनाव में सत्ताधारी दल पर

पड़ेगा। राज्यभर में लोग गर्मी से बेहाल हैं। अप्रैल के दूसरे सप्ताह में ही राज्य के डैम में पानी घटकर ३३.३८ फीसदी रह गया है, इससे ग्रामीणों के मुंह पर ताला लग गया है। ऐसे में पानी को लेकर प्रदेश में आग लगने के संकेत मिल रहे हैं। क्योंकि फिलहाल २ हजार ९३ टैंकरों के पानी से राज्य के १ हजार ६६६ गांवों और ३ हजार ९९९ वाड़ियों की प्यास बुझाई जा रही है। पिछले साल १२ अप्रैल को राज्य के केवल ७० गांवों और २०४ वाड़ियों में पानी की आपूर्ति के लिए केवल ७५ टैंकर चल रहे थे। लेकिन मंत्रालय के अधिकारियों ने स्वीकार किया कि सत्ताधारियों द्वारा पानी के मुद्दे की पूरी तरह से अनदेखी के कारण एक साल में टैंकरों की कुल संख्या लगभग २८ गुना बढ़ गई है।

टैंकरों की संख्या

ठाणे-३२, रायगढ़-१९, रत्नागिरी-३, पालघर-३०, नासिक-२३८, जलगांव-७८, नगर १५८, पुणे-११६, सातारा-१६०, सांगली-८४, सोलापुर-६३, छत्रपति संभाजीनगर-४४३, जालना- ३४३, बीड-१९९, धाराशिव ६६, बुलढाणा-३५

जलापूर्ति करने वाले डैम में जलस्तर

सेंट्रल वैतरणा डैम में पानी भंडारण १०.६१ फीसदी पर आ गया है।

भातसा डैम में पानी भंडारण-४१.१० प्रतिशत

मोडकसागर- ४५.३१ प्रतिशत

तानसा - ५०.०३ प्रतिशत

चिकनशॉप वाले ने बच्ची के साथ किया बलात्कार

मुंबई, भायंदर नवघर पुलिस थाना सीमांतर्गत रामदेव पार्क में इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक हैवानियत और दरिंदगी की घटना प्रकाश में आई है. जिसमें एक ४५ वर्षीय व्यक्ति द्वारा ४ वर्षीया मासूम बच्ची के साथ ७ अप्रैल को दुराचार किए जाने का खुलासा हुआ है. रामदेव पार्क में बालासाहेब ठाकरे मैदान के पास महाराष्ट्र चिकन शॉप नाम से दुकान चलाने वाले दुकानदार ने अपने ही पडोस के दुकानदार की ४ वर्षीय मासूम के साथ दुराचार किया था और किसी को भी नहीं बताने की धमकी दी थी. पीडिता की मां गर्भवती होने के कारण गांव गई हुई है. असहनीय दर्द झेल रही बच्ची ने इस बारे में अपने पिता को बताया, लेकिन उसके पिता ने लोकलाज की डर से इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया. बार बार दर्द की शिकायत के बाद आखिर उसने अपने एक मित्र को यह बात बताई.

अंगदान –महादान

दानी करते देखो ,कितना दान !
धन ने दिया उन्हें यह वरदान।
तन है हमारे पास भी आओ बने महान,
अंगदान भी तो है, सब दानों में महादान।
ईश्वर ने दिया हमें, अनुपम उपहार,
हमें मिला अनमोल अंगों का भंडार।
तन मिला है हमें स्वस्थ सहज अपार ,
ईश्वर की कृपा हम पर अनन्त अपरम्पार।
जी भर जिया हमने, जीवन सदा मस्त,
पर अनेक जन हैं, जो सहते अथाह कष्ठ।
हो जाएगा जब जीवन हमारा अस्त,
काया हो जाएगी हमारी ध्वस्त।
ईश्वर की रचना यह,सुंदर शरीर साकार,
व्यर्थ न जाए हम पर, उसका यह प्यार।
ईश्वर के रहेंगे, हम सदा कर्जदार,
चुका न सकेंगे, कभी उसका यह उधार।
मृत्यु के बाद भी ,अंग रहें हमारे जीवंत,
इच्छाशक्ति गर हमारी ,यह हो बलवंत।
त्वचा दान , नेत्र दान, हृदय दान,
कर सकें ,जिन अंगों का, करें दान।
ईश्वर की करुणा का करने प्रचार –प्रसार,
आओ करें ,मरणोपरांत अपने अंगों का करार।
लेन–देन नहीं, नहीं है यह कोई व्यापार,
अंगदान तो बस है,दाता दिल का,कई दिलों से प्यार।

इतना समझाने पर भी जब हमारा तन मन किसी की बात नहीं सुनता ,तब हमारी आत्मा धिक्कारते हुए कहती है––
मुट्ठी बाँधे आया जगत में,
हाथ पसारे जाएगा ,
शरीर मोह में क्यों फँसा है पगले,
ये तो यूँ भी जल जाएगा।
ये तो यूँ भी गल जाएगा।

आत्मा हमें उलाहना देते हुए कहती है–––
क्या करेगा प्यार तू ईमान को ,
क्या करेगा प्यार तू भगवान को।
साथ में रहकर भी जिसके,
कर न पाया प्यार तू इंसान को।

पुन: आत्मा अमर होने का संदेश देती है–––
जग में आया है तो,
कर ले कुछ ऐसे काम।
जिंदगी के बाद भी
जिंदा रहेगा सदा नाम।

जीते जी रक्तदान,
मरणोपरांत अंगदान।
मानवता की यही पहचान
यही मानव का सच्चा ईमान।
अंगदान – महादान, अंगदान – महादान।

– डॉ.संध्या 'राज' मेहता
मीरारोड़

नौकरी दिलाने के नाम पर दो लाख की ठगी

मिरा भायंदर वसई–विरार पुलिस आयुक्तालय शहर के नागरिकों को ऑन लाइन फ्रॉड से बचने के लिए समय समय पर हमेशा सतर्क करते रहती है परन्तु इतना प्रचार प्रसार करने के बावजूद भी कुछ लोग पैसे के लालच में फंस जाते है। ज्ञात हो की भायंदर के उत्तन में रहने वाला २३ वर्षीय युवक बिंडा ढोलू पार्ट टाइम नौकरी की चाह में यूट्यूब पर नौकरी ढूंढ.रहा था, तभी उसे मौरीन नामक व्यक्ति का फोन आता है और वह ढोलू को मल्टीनेशनल बडी कंपनी में नौकरी का झांसा देकर लगभग ढाई लाख रूपये बैंक खाते से ट्रांसफर करवा लेता है, ढोलू को जब एहसास होता है की उसे ठगा गया है तो वह तत्काल उत्तन सागरी पुलिस स्टेशन में जाकर अज्ञात व्यक्ति मौरीन के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाता है। गौरतलब है की शिकायतकर्ता के शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा ४२०, ३४ के साथ सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम २००८ की धारा ६६ (सी), ६६ (डी) के तहत मामला दर्ज कर मामले की जाँच पडताल शुरू की। उत्तन सागरी पुलिस स्टेशन के अधिकारीयों ने ढोलू और आरोपी मौरीन की लेनदेन से सम्बंधित जानकारी बैंक से प्राप्त किया, मिली जानकारी का अवलोकन करने से पुलिस को यह पता चला की शिकायतकर्ता का रुपया अलग–अलग बैंक खातों में भेजा गया है, तो फौरन ही आरोपी के बैंक खाते को संबंधित बैंक से पत्राचार कर पुलिस ने सील कर दिया, उपरांत उत्तन सागरी पुलिस स्टेशन ने अदालत के आदेश के बाद उस फ्रिज किये गए खाते में से २,४९,१७०/– रुपये ढोलू के खाते में वापस जमा कर दिए। वरिष्ट पुलिस निरीक्षक दादाराम कारंडे ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा की कोई भी अनजान व्यक्ति के बहकावे में आकर या वर्क फ्रॉम होम जैसे प्रलोभन के चक्कर में न फंसे अपने बैंक से सम्बंधित जानकारी और लेन देन का व्यवहार भी नहीं करें, और सतर्क रहें, और तत्काल पुलिस को सूचित करें।

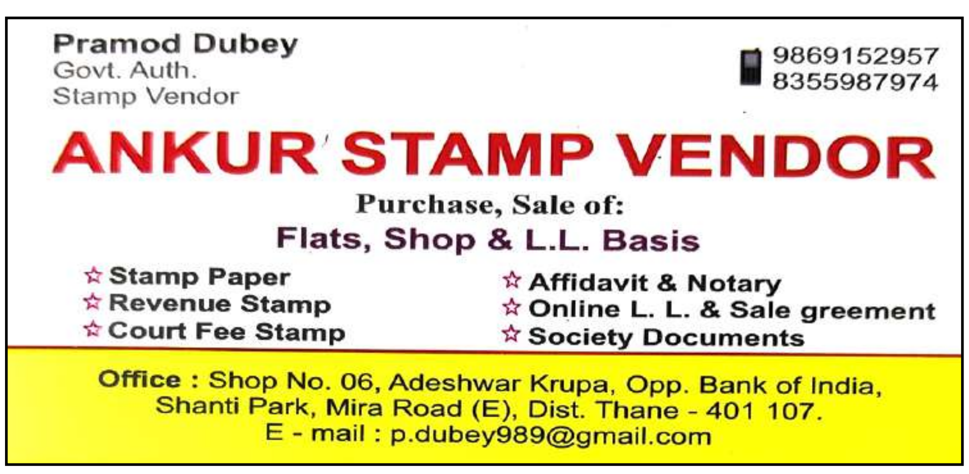

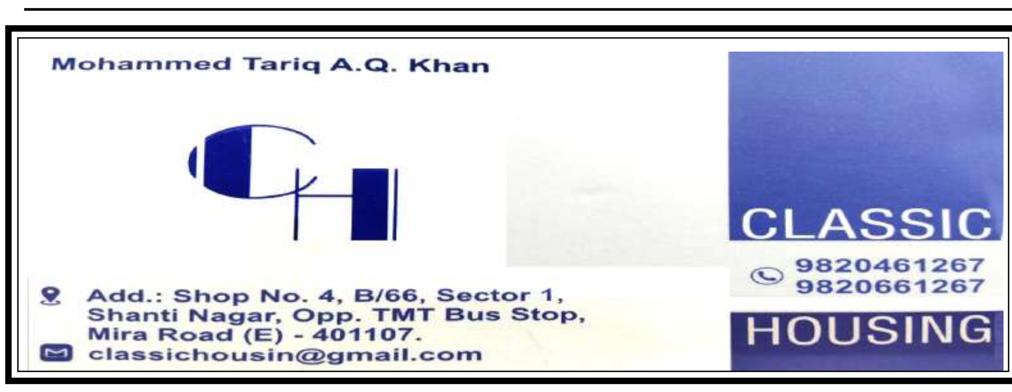

अग्निशमन दल के देर से पहुंचने के कारण आग ने ली बिकराल रूप :आगजनी के कारण का पता नहीं

भिवंडी : भिवंडी-कल्याण रोड पर स्थित मुरलीधर कंपाउंड में एक पावरलूम कारखाने में अचानक आग लग गई। आग लगने के कारण कारखाने में लगी मशीनरी व लाखों रुपए का कच्चा कपडा जलकर खाक हो गया। हालांकि, आग लगने की सूचना के काफी देर बाद अग्निशमन दल की गाडिय़ां पहुंचने से आग ने विकराल रूप ले लिया। अभी तक आग लगने के सही कारण का पता नही चल सका है, लेकिन गर्मी के शुरुवात में लगी इस आग की घटना ने अन्य लूम कारखाना मालिकों में भय फैला दिया है। पुलिस के अनुसार, स्थानीय सुभाष नगर इलाके में स्थित मुरलीधर कंपाउंड में केशव अग्रवाल का पावरलूम कारखाना है। सोमवार की दोपहर को जब लूम कारखाना चालू था। इसी दौरान अचानक कारखाने में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना अग्निशमन दल के जवानों को दी, लेकिन शहरभर में यातायात जाम होने के कारण दमकल की गाडी आगजनी स्थल पर देर से पहुंची, जिसके कारण आग ने विकराल रूप धारण कर पूरे कारखाने को अपने आगोश में ले लिया और कारखाना धूं-धूं कर जलने लगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि कारखाने में नीचे पावरलूम चलता था, जबकि पोट पहले पर ग्रे कपडा रखा हुआ था, जो आग में जलकर खाक हो गया, जबकि आग लगने के बाद कारखाने में काम करने वालों मजदूर कारखाने से निकलकर बाहर भागे, जिससे जनहानि का नुकसान नहीं हुआ। लेकिन लाखों रुपए का कपडा व मशीन जलकर खाक हो गया। हालांकि, अभी तक आग लगाने के सही कारण का पता नही चल सका है, लेकिन स्थानीय लोगों की मानें तो आग शार्ट सर्किट के कारण लगी होगी। लोगों ने यह भी आरोप लगाया है कि यदि अग्निशमन दल की गाडिय़ां घटनास्थल पर समय पर पहुंची होती तो कारखाने में लगी आग से हुए नुकसान को बचाया जा सकता था। हालांकि, कई घंटे की मेहनत के बाद अग्निशमन दल ने आग पर काबू लिया, लेकिन आग में २०० से ज्यादा कपडे.का ताका व मशीन जल गया। फिलहाल, पुलिस आग लगने के कारण का पता लगाने में जुटी हुई है।

विधायक सरनाईक द्वारा सहस्त्रचंडी महायज्ञ का आयोजन

मीरारोड : शिवसेना (शिंदे) विधायक व ओवला माजीवाडा विधानसभा संपर्क प्रमुख प्रताप सरनाईक द्वारा मीरारोड पूर्व के बेवर्ली पार्क स्थित गोखले मैदान में आयोजित नवरात्रोत्सव तथा सहस्त्रचंडी महायज्ञ में श्रद्धालुओं और भक्तों की भारी भीड.उमड.रही है। ९ अप्रैल को विधायक सरनाईक के मंगल नगर स्थित संपर्क कार्यालय से गोखले मैदान तक भव्य शोभायात्रा के साथ मां अंबे की प्रतिमा लाकर विधि विधान से स्थापित की गई। ९ से १८ अप्रैल तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रतिदिन सुबह ९.३० से दोपहर १२.३० बजे सहस्त्रचंडी महायज्ञ की हवन आरती और शाम को पुन: ७ बजे आरती की जाती है। इसके अलावा ९ दिनों तक क्रमश: हल्दीकुंकु समारोह, महिलाओं का पारंपरिक नृत्य, दक्षिण भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकसहित्यकार राजू भाई गढव़ी की टीम द्वारा गुजराती डायरो, १२ अप्रैल को ध पाटी ध मराठी नाट्य प्रयोग, १३ को लोकगीत गायक रविन्द्र सिंह, मुकेश त्रिपाठी की टीम द्वारा उत्तर भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रम, १४ को ललित लहरिया और पिंकी गेहलोत द्वारा राजस्थानी भजन संध्या, १५ को सचिन दास के स्वीट मेलोडी ऑर्केस्ट्रा द्वारा बंगाली सांस्कृतिक कार्यक्रम, १६ को प्रीति टंडन द्वारा माता की चौकी, १७ को रामनवमी विशेष में भजन सम्राट सुरेश शुक्ला की टीम द्वारा ध एक शाम राम लल्ला के नाम ध की प्रस्तुति की जायेगी। १८ अप्रैल को शाम ४ बजे आरती का बाद देवी विसर्जन का कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। शास्त्री विनोदभाई राजगुरु ने सभी देवी भक्तों से सहस्त्रचंडी महायज्ञ का लाभ लेने और उत्सव में सपरिवार सम्मिलित होने का आग्रह किया है। विधायक सरनाईक प्रतिवर्ष नवरात्रोत्सव के माध्यम से सभी समाज को एकसूत्र में जोडऩे और उनके सांस्कृतिक भूख को मिटाने का प्रशंसनीय कार्य करते हैं।

४५ फीसदी डॉक्टर्स लिखते हैं अधूरे प्रिस्क्रिप्शन!

मुंबई : लगता है देश के आधे डॉक्टर मरीज की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। वे मरीज का प्रिस्क्रिप्शन आधा-अधूरा लिखते हैं। असल में आईसीएमआर के एक सर्वे में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, इस सर्वे में कहा गया है कि कुछ सरकारी अस्पतालों की ओपीडी के डॉक्टर पर्चा सही तरीके से नहीं लिख रहे हैं, जो मरीज की सेहत के लिए अच्छा नहीं है। मरीजों को दवा और जांच की सलाह देने वाले डॉक्टर जल्दबाजी में अधूरा पर्चा लिखकर लापरवाही कर रहे हैं। अगस्त २०१९ से अगस्त २०२० के बीच देश के १३ बड़े अस्पतालों में स्पेशल टास्क फोर्स लगा कर एक सर्वे कराया गया था। देश के सभी १३ अस्पतालों को चार जोन में बांटकर ये सर्वे किया गया, जिसमें कुल ७,८०० मरीजों के पर्चे यानी प्रिस्क्रिप्शन देखे गए। इनमें से ४,८३८ प्रिस्क्रिप्शन की जांच की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि इनमें से ज्यादातर पर्चियों में गलतियां थी। यानी की मरीजों के प्रिस्क्रिप्शन सही तरीके से नहीं लिखे गए थे। इस बारे में आईसीएमआर के पूर्व डायरेक्टर जनरल डॉ एनके गांगुली का कहना है कि ये ऐसा सर्वे होता है, जिसमें देखा जाता है कि लोगों को दवाई सही तरीके से मिल रही है या नहीं। गैरजरूरी दवाइयां तो नहीं मिल रही हैं इसके लिए भी यह सर्वे किया जाता है। लोगों को फोर्डेबल ट्रीटमेंट दे रहे हैं कि नहीं, यह देखने के लिए भी यह सर्वे किया जाता है। क्या हम सब जगह ब्रांडेड महंगी दवाइयां ही लिख रहे हैं या जेनेरिक भी लिख रहे हैं या हमारी जो एसेंशियल लिस्ट है (हर जगह पर एक एसेंशियल ड्रग्स की लिस्ट होती है) उसके दायरे में हैं या उसके बाहर जा कर लिख रहे हैं। डॉ. गांगुली का कहना हे कि जो आईसीएमआर का सर्वे है वो एक साल का सर्वे था। ये जो उल्टे सीधे प्रिस्क्रिप्शन होते हैं वो ज्यादातर आरएमपीएस करते हैं या दूसरे लोग करते हैं। ऐसी स्टडी में हर जगह पर कुछ परसेंटेज होते हैं जैसे कि हमारे यहां ५२ फीसदी ब्रांडेड दवाई का निकला है, इससे ये पता चलता है कि सही दवा मिल रही है या नहीं लेकिन कुछ चीजें जो नहीं हैं जैसे कि इनडोर पेशेंट नहीं हैं, आईसीयू पेशेंट्स नहीं हैं, इसमें ऐसे कई तरह के मरीज नहीं हैं, जिनमें पॉलिसी के आधार पर दवाइयां देनी पड़ती हैं। ऐसे में सर्वे पर साफ तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। हालांकि, ये अच्छी शुरुआत है, ऐसा हमारे यहां बड़े स्तर पर होना चाहिए और जो एनालिसिस है, उसके बाद जो डॉक्टर हैं उनको सलाह देनी चाहिए और उनकी काउंसलिंग करनी चाहिए और री-ऑडिट होना चाहिए। ऐसी स्टडी केवल स्टडी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि कई देशों में ये कॉमन है। प्रिस्क्रिप्शन डेटाबेस बनाया जाता है, उसको एनालाइज किया जाता है और एनालिसिस के अनुसार फिर एक्शन भी लिया जाता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के डॉ. अनिल गोयल ने इस सर्वे को कंट्राडिक्टरी बताया और कहा कि केवल एक सर्वे के आधार पर डॉक्टर को गलत नहीं ठहरा सकते। इस पेपर में खुद लिखा है कि इस रिपोर्ट की अपनी सीमाएं हैं यानी कि लिमिटेशंस हैं। प्रिस्क्रिप्शन के आधार पर सर्वे हुआ है। मरीजों के अगले पिछले ट्रीटमेंट का कोई डेटाबेस इसमें शामिल ही नहीं था। जिस पेपर का हवाला दिया जा रहा है उसमें साफ लिखा है कि स्टडी वाज नॉट विदाउट लिमिटेशंस! दूसरी तरफ, एंटीबायोटिक का मिस-यूज सबसे ज्यादा काउंटर से दवाई बिक्री, झोला छाप डॉक्टर्स से दवाइयां लिखवाना जैसे कारणों से एंटीबायोटिक की खपत देश में बढ्र रही है। हमें उसे रोकने की जरूरत है। जो ऑथराइज्ड नहीं हैं वो दवाइयां लिख रहे हैं, उसे देखने की आवश्यकता है।

शिंदे गुट में सीटों के बटवारें को लेकर घमाशान

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट के मौजूदा सांसदों का टिकट काटने के निर्णय और महायुति के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर चल रही बातचीत के बीच उम्मीदवारी को लेकर शिवसेना नेताओं की बेचैनी बढ.गयी है. महाराष्ट्र में महायुति के सहयोगी दलों में भारतीय जनता पार्टी, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल है. इन तीनों दलों के बीच अभी तक टिकट बंटवारे पर सहमति नहीं बनी है, लेकिन शिवसेना में टिकट पाने की उम्मीद कर रहे नेताओं ने खुद के नामांकन को लेकर जारी अनिश्चितता के बावजूद चुनाव प्रचार शुरू है. कीर्तिकर को मैदान में उतारने की संभावना नहीं मौजूदा सांसद भावना गवली (यवतमाल, वाशिम), हेमंत पाटिल (हिंगोली) और कृपाल तुमाने (रामटेक) का टिकट कटने के बाद शिवसेना नेता चिंतित हैं. सूत्रों ने कहा कि शिवसेना द्वारा गजानन कीर्तिकर को मैदान में उतारने की संभावना नहीं है, जो फिलहाल मुंबई उत्तर-पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं. महायुति को अब भी सात सीट- रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, मुंबई दक्षिण, औरंगाबाद, नासिक, पालघर, ठाणे और सतारा के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करनी है. वर्ष २०१९ के लोकसभा चुनाव में अविभाजित शिवसेना ने इनमें से छह सीट जीती थीं. पार्टी के एक सूत्र ने कहा कि अब इन सीट पर गठबंधन सहयोगियों, मुख्य रूप से भाजपा की नजर है. नासिक सीट पर भी असंतोष पनप रहा है, जहां दो बार के सांसद हेमंत गोडसे ने महाराष्ट्र के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल के लिए इस सीट पर दावा करने के राकांपा के प्रयासों के बीच प्रचार शुरू कर दिया है. गोडसे ने बातचीत में कहा कि यहां बेचैनी है क्योंकि पूर्व में शिवसेना ने दो बार यह सीट जीती है. अपनी ओर से मैंने चुनाव के मद्देनजर फिर से लोगों से मिलना शुरू कर दिया है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वह अपना नामांकन सुनिश्चित करेंगे. रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट का प्रतिनिधित्व अविभाजित शिवसेना के विनायक राउत ने किया जो अब उसी निर्वाचन क्षेत्र से शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार हैं. पार्टी के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा कि भाजपा अब केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के लिए इस सीट का दावा कर रही है जो शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के कटु आलोचक हैं. राज्य के उद्योग मंत्री और सेना विधायक उदय सामंत के बडे.भाई किरण सामंत भी इस सीट के लिए उत्सुक हैं और उन्होंने जाहिर तौर पर चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है. गठबंधन महा विकास आघाडी में कांग्रेस, शिव सेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) शामिल हैं, जिन्होंने अपने सीट-बंटवारा समझौते पर मुहर लगा दी है, लेकिन अभी तक मुंबई उत्तर (कांग्रेस). माढा (शरद पवार गुट) और मुंबई उत्तर मध्य (कांग्रेस) सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की गई है. शिवसेना के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि भाजपा ठाणे या कल्याण में चुनाव लडऩे की इच्छुक थी, जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे कर रहे हैं. लेकिन शिवसेना ये दो सीट भाजपा के लिए छोडऩे के प्रति अनिच्छुक थी. इसके बाद पिछले हफ्ते उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने श्रीकांत शिंदे की उम्मीदवारी का ऐलान कर दिया. ठाणे मुख्यमंत्री शिंदे का गढ.है, इसलिए यह संभावना कम है कि शिवसेना मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र को भाजपा के लिए छोड.देगी.

बिना अनुमति फ्लैट में किया जा रहा था मरम्मत कार्य छत का स्लैब गिरने से नीचे दबकर २ मजदूर की मौत

भायंदर. बिना मनपा अनुमति के एक बिल्डिंग में फ्लैट के अंदर मरम्मत कार्य किए जाने के दौरान अचानक बाथरूम की छत का स्लैब गिर जाने से उसके नीचे दबकर २ मजदूरों की मौत हो गई जबकि एक मजदूर को गंभीर हालत में अस्पताल ध में भर्ती कराया गया है. मृतक मजदूर का नाम हरिराम चौहान (५५) और माखनलाल यादव (२६) तथा गंभीर जख्मी मजदूर का नाम

आकाश कुमार यादव है. यह हादसा भायंदर पूर्व के नवघर पुलिस थाने के ठीक सामने वेणु नगर इमारत के पीछे श्री नाथ ज्योति बिल्डिंग की तल मंजिल पर स्थित फ्लैट नंबर ४ में रविवार की सुबह १०.४० बजे घटित हुई. ध्अग्निशमन विभाग के मुख्य अधिकारी प्रकाश बोराडे के अनुसार हादसे की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की २ गाडिय़ां और ११ दमकल कर्मचारी घटना स्थल पर ध पहुंच कर बचाव कार्य शुरू कर दिया था एक मजदूर की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि दूसरे मजदूर की मौत अस्पताल ले जाते समय हो गई. मनपा आयुक्त संजय श्रीपतराव काटकर और उपायुक्त रवि पवार भी दुर्घटना स्थल पर पहुंचे थे. उपायुक्त रवि पवार ने बताया कि उक्त सोसायटी के पदाधिकारियों की शिकायत पर फ्लैट में चल रहे मरम्मत कार्य को नोटिस देकर बंद कराया गया था. इसके बावजूद फ्लैट मालिक विनयकुमार त्रिपाठी ने मरम्मत कार्य जारी रखा था, जिससे करीब ४ ट १० फुट का स्लैब अचानक गिरने से यह दुर्घटना घटित हुई. नवघर पुलिस ने त्रिपाठी के खिलाफ सदोष मानव वध का अपराध दर्ज किया है.

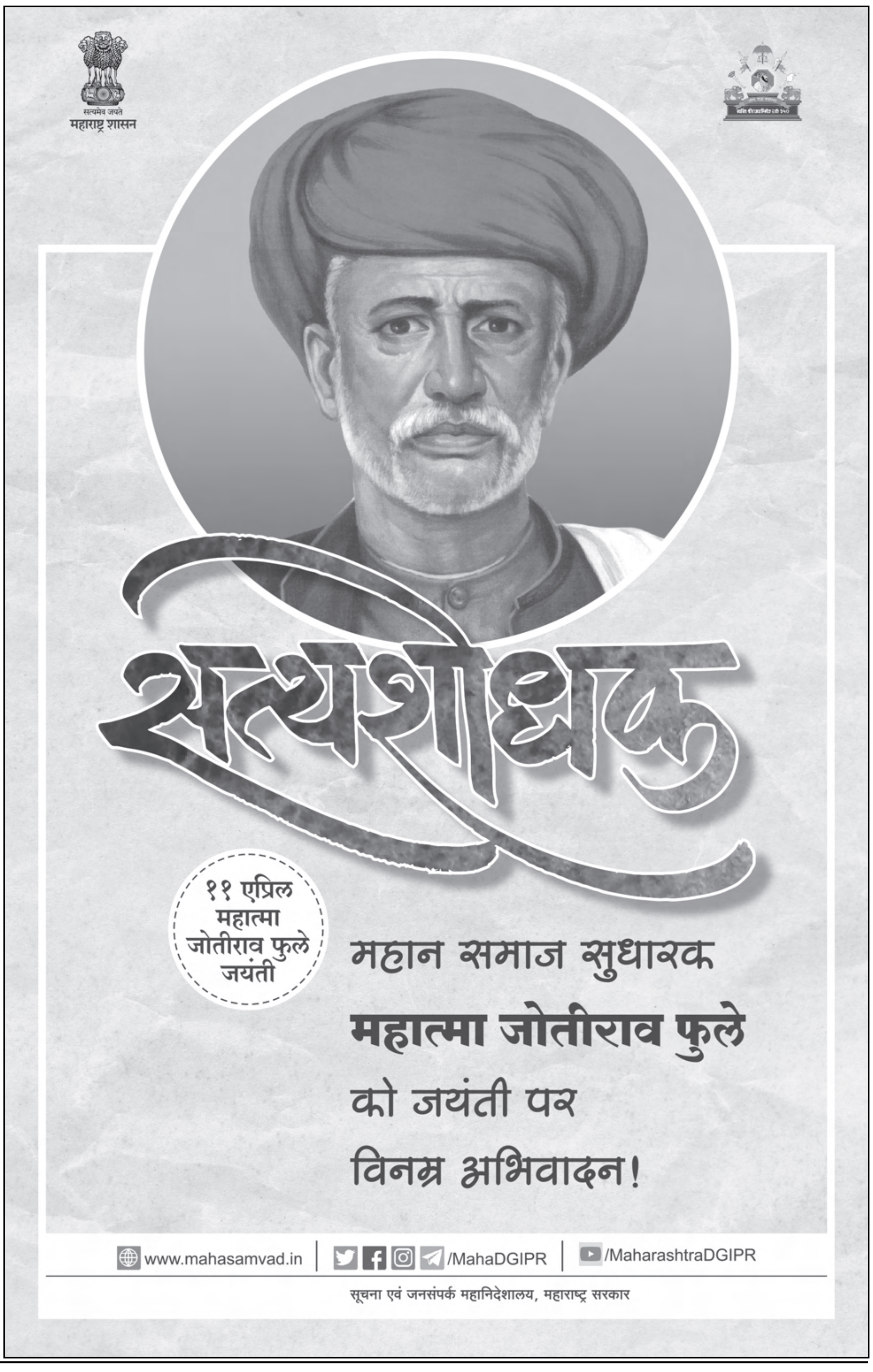

घनकचरा की समस्याओं को लेकर रहिवासियों किया सामुहिक प्रार्थना

जेकेएस संवाददाता

भायंदर, भायंदर पश्चिम के उत्तन धावगी की पहाडी पर स्थित मनपा की डंपिंग ग्राउंड (घनकचरा प्रकल्प) की समस्या से स्थाई मुक्ति के लिए स्थानीय ग्रामीणों ने शनिवार को डंपिंग ग्राउंड में जमा कचरे की ढेर के पास सर्वधर्मीय प्रार्थना आंदोलन की. इस डंपिंग ग्राउंड से उठने वाली दुर्गंध के कारण उत्तन, डोंगरी, धावगी, पाली, चौक आदि गांव के ग्रामीणों में सांस लेने की तकलीफ, आंखों में जलन की शिकायत की समस्या बढते जा रही है. डंपिंग ग्राउंड के करीब ७ से ८ किलोमीटर के दायरे में वायु प्रदूषण का खतरा मंडराने लगा है. इस डंपिंग ग्राउंड में जमा लाखों टन कचरे में आग लग जाने की घटना घटित होते रहती है. एक बार आग लगने पर कई-कई दिन तक उसका धुंआ आस-पास के गांव में फैलते रहता है. इस रासायनिक धुएं से स्थानीय ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड.रहा है. लोग कई तरह की बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं. ऊंचाई पर स्थित होने के कारण इस डंपिंग ग्राउंड से रिसने वाले रासायनिक गंदे जल के कारण तलहटी में बसे गांव के तालाब, कुएं के पानी, कृषि की जमीन प्रदूषित हो रही है. करीब १५ वर्षों से यहां के ग्रामीण इस समस्या को झेल रहे हैं. लगातार इस डंपिंग ग्राउंड को अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने की मांग की जा रही है, लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ मनपा प्रशासन भी इस समस्या का हल ढूंढने में विफल रही है. हालांकि डंपिंग ग्राउंड का मुद्दा एक बार फिर गरमाया देख मनपा आयुक्त संजय श्रीपतराव काटकर ने डंपिंग ग्राउंड पर सुरक्षा रक्षकों की संख्या में वृद्धि, आग लगने की घटना पर नियंत्रण के लिए पानी के फव्वारे लगाने, अग्निशमन विभाग का एक टीम स्थाई रूप से यहां तैनात करने का निर्णय लिया है. उत्तन के डंपिंग ग्राउंड पर जमे हुए कचरे के पहाड.की समस्या का जब तक स्थाई हल नहीं निकलता है तब तक चुनाव पर बहिष्कार करने का निर्णय स्थानीय ग्रामीणों ने लिया है. इस संदर्भ में ग्रामीणों के शिष्ठमंडल ने सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी को पत्र भी दिया है. करीब १४ मैट्रिक टन जमा कचरा के निस्तारीकरण और उस पर बायो माइनिग पद्धति से प्रक्रिया करने का ठेका करीब एक वर्ष पूर्व दिया गया था. आग लगने की वजह से वायो माइनिंग प्रकल्प की मशीन जल जाने के कारण प्रक्रिया बंद हो गई है.

एडवोकेट अरुणा पांडे के कार्यालय का हुआ शुभारंभ

भायंदर। शिवसेना ने हमेशा उत्तर भारतीयों को आगे बढाने का काम किया। यही कारण है कि उत्तर भारतीय समाज के लोग तेजी के साथ शिवसेना से जुड.रहे हैं। मीरा रोड पूर्व के गार्डन सिटी स्थित उत्तर भारतीय महिला जिला प्रमुख एडवोकेट अरुणा पांडे और उत्तर भारतीय जिला उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश पांडे के शानदार कार्यालय का उद्घाटन करते हुए शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में शिवसेना मीरा भायंदर की सबसे ताकतवर और प्रभावशाली पार्टी बनने जा रही है। कार्यालय के उद्घाटन समारोह में उपस्थित प्रमुख लोगों में १४५, विधानसभा प्रमुख विक्रम प्रताप सिंह, जिला प्रमुख राजू भोईर, महिला जिला प्रमुख निशा नार्वेकर, हरिशंकर दुबे (दाढी), फिल्म अभिनेता करन पांडे, युवा समाजसेवी मृत्युंजय पांडे, उदय शंकर मिश्रा, सैनिक सेल के जिला प्रमुख श्रीकांत पांडे, उप जिलाध्यक्ष बीके सिंह, विद्या शंकर चतुर्वेदी आप सिंह शाखा प्रमुख मनोज सिंह यूपी जिला प्रमुख योगेश सिंह डीके मिश्रा, उप जिला प्रमुख राजबहादुर सिंह, गुजराती सेल की महिला जिला प्रमुख चेतना, युवा जिला प्रमुख राहुल उदय मिश्र, उषा शुक्ला, किरण पांडे, संजय गुप्ता, सोनाली पांडे, स्नेह पांडे, सत्यम् पांडे, शरद चंद्र त्रिपाठी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में लोक गायक मुकेश त्रिपाठी, लोक गायिका रागिनी प्रजापति तथा छोटा खेसारी दीपक सुहाना के गाए गीतों ने लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में बडी संख्या में अधिवक्ता भी उपस्थित रहे। बांद्रा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राममणि उपाध्याय, एडवोकेट बीके सिंह, एडवोकेट एसके सिंह, एडवोकेट एसएस तिवारी, एडवोकेट विजय पांडे, एडवोकेट संतोष सिंह, एडवोकेट एके पांडे, एडवोकेट बीके उपाध्याय के अलावा उत्तर भारतीय संघ, मीरा रोड के अध्यक्ष आलोक सिंह, वरिष्ट पत्रकार महेंद्र पांडे, प्रवीण पांडे आदि सम्मानित अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

भारत रत्न डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मुफ्त आंख चेकअप, चष्मा वितरण, मोतिबिंदू ऑपरेशन, फुल बॉडी चेकप, हृदय चेकअप, रक्त तपासणी, महिलाओं की शारिरीक तपासणी का आयोजन अनामी शाक्य संस्था के संस्थापक, अध्यक्ष देवेंद्र शेलेकर द्वारा किया गया.

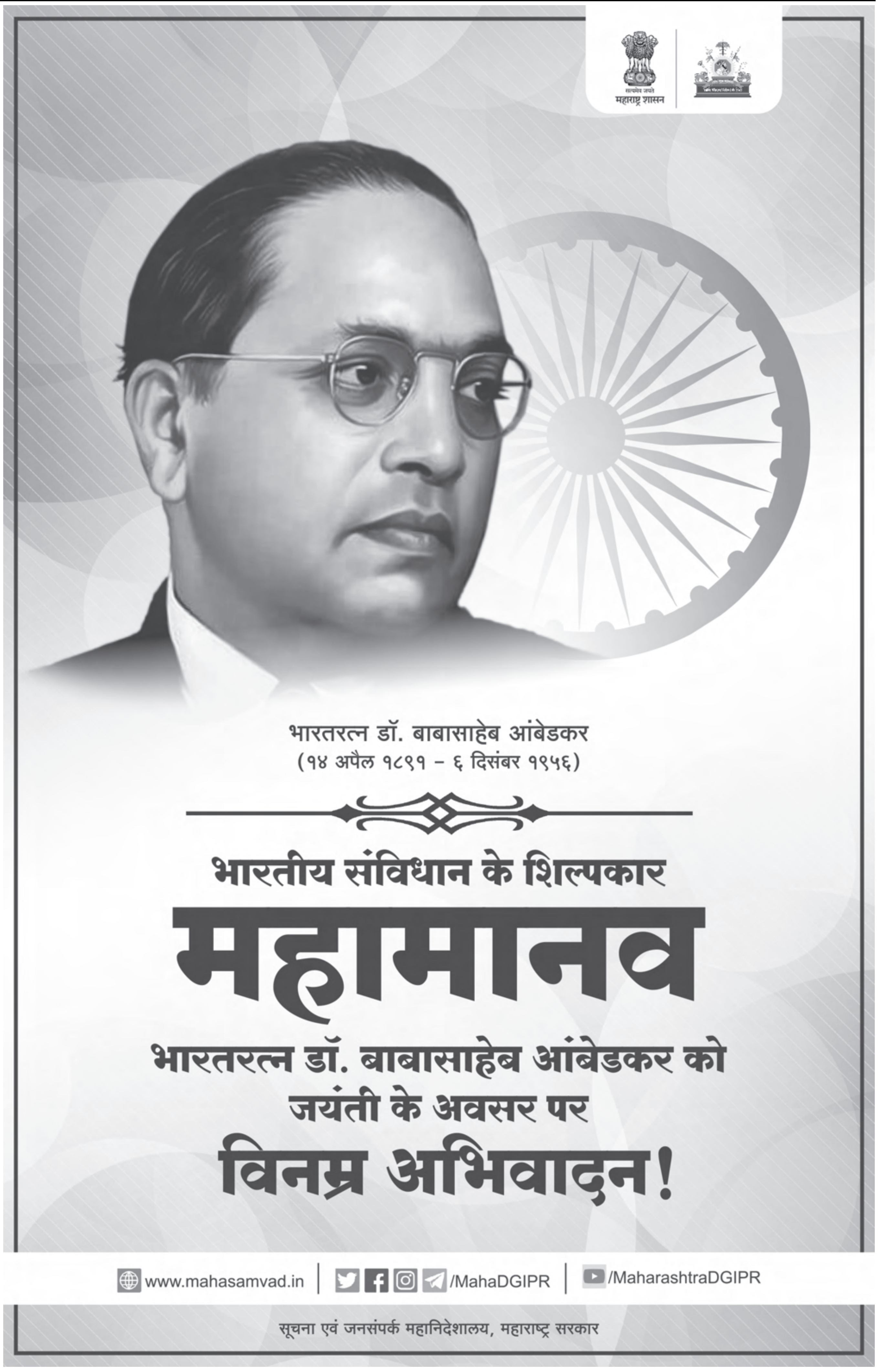

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI